प्रस्तावना

भारतीय रिज़र्व बैंक का वार्षिक प्रकाशन – ''भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां'' बैंकों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करता है। प्रकाशन से बैंकवार और बैंक समूहवार जैसे कि देयताएँ और आस्तियां, आय और व्यय, गैर निष्पादित आस्तियां, वित्तीय अनुपात, कार्यालयों को स्थानिक वितरण, कर्मचारियों की संख्या और प्राथमिक क्षेत्र एवं कमज़ोर वर्गों के अग्रिमों के ब्योरे जैसे महत्वपूर्ण मदों की जानकारी देता है। यह कुछ महत्वपूर्ण मदों पर बैंक के समूहवार मासिक आंकडें देता है जिसमें समग्र बैंकिंग प्रणाली के दायित्व, बैंकिंग प्रणाली की आस्तियां, निवेश, बैंक ऋण, क्षेत्रवार और उद्योगवार सकल बैंक ऋण आते है।

भारत में बैंकों से संबंधित भारतीय रिज़र्व बैंक खंड के प्रकाशन 1941 में भारत सरकार से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लिया गया था और दो साल 1939 और 1940 को पहला खंड का प्रकाशन सांख्यिकी विभाग से जुलाई 1941 में बैंकों द्वारा प्रकाशित किया गया था। इसलिए, यह भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित 68वां खंड है। यदि हम तत्कालीन सांख्यिकी विभाग, भारत सरकारद्वारा प्रकाशित संस्करणों को जोड दें तो यह श्रृंखला का 93वां खंड है। प्रकाशन के लिए कोर टीम का नेतृत्त्व निदेशक डॉ. प्रदीप भुयां, ने किया जिसमें डॉ. अच्चमा सॅम्युअल, सहायक परामर्शदाता, श्री अमित कुमार और श्रीमती निवेदिता बॅनर्जी, अनुसंधान अधिकारी, श्री ए.एन.पटेल, श्रीमती एस.आइ.मिस्कीटा, श्री ए.थॉमस, श्री पी.एम.पाथरे और श्रीमती एल.बी.घरत ने सहायता दी।

प्रकाशन समिति को प्रकाशन में उपयुक्त सामग्री बनाने के लिए डाटा वेयर हाउसिंग प्रभाग ने भी सहायता की। इस खंड का प्रकाशन डॉ.ए.के.श्रीमानी, परामर्शदाता, सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के मार्गदर्शन से हुआ है।

मैं यह उम्मीद करता हूँ कि वर्तमान प्रकाशन भारत में बैंकों की जानकारी देने के लिए मूल्यवान स्त्रोत साबित होगा और यह प्रकाशन रुचि पैदा करने और शोध कर्ताओं विश्लेषकों, नीति निर्माता और बैंकरों के लिए उपयोगी होगा।

दीपक मोहन्ती,
कार्यपालक निदेशक